तपस्वी बहन का अभिनन्दन

सुनाम - शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सोहनकुमारी जी छापर के सान्निधय में तपोभिनन्दन का आयोजन किया गया। सुश्री नेहा जैन ने अठाई तप करके अपने आपमें एक नई प्रेरणा और पाथेय प्रत्येक व्यकित के लिए अनुमोदनीय है।

साध्वी श्री सोहनकुमारी जी ने तपस्वी बहन नेहा जैन के प्रति अपनी भावना प्रेषित करते हुए कहा- जीवन में तपस्या का बडा महत्व रहा है-जैन शासन में। एक दुबली-पतली काया में अनन्त मनोबल समाया हुआ है। तपस्या के द्वारा शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक शुद्धि के साथ आत्मा भी स्फटिक के समान पवित्र व उज्जवल बनाती है। दो वर्षो से सुनाम के सुश्रावक साधुराम जी जैन के पौत्र एवं पौत्री ने तपस्या कर अपने आपको लाभाविन्त किया है। तपस्या एक ऐसा साबुन है, जो कर्म रूपी मैल को धोकर पवित्र व उज्जवल बनाती है। तपस्या में किसी भी प्रकार का आडम्बर और प्रदर्शन न हो, जिससे कर्म निर्जरा का मिलने वाला लाभ दूषित हो जाता है।

साध्वी श्री लज्जावती जी ने कहा- कि सुनाम भी तपस्या के बिना नहीं रहा। तपस्या जीवन के लिए प्रभावकारी होता है। दो शब्दों का यह तप बहुत कुछ दे जाता है। तपस्वी का मन उल्लासित एवं प्रफुल्लित रहना चाहिए। तपस्या किसी को भी देखकर नहीं, वह तो अपने आत्मबल एवं मनोबल के साथ होती है। आठ दिन तक भूखा रहना सहज सरल नहीं है। शरीर के लिए अन्न और आत्मा के लिए तप का जरूरी है। तपस्या के साथ आत्मशक्ति और गुरूभक्ति और मनोबल काम करता है। तपस्या से जैन शासन की बहुत बडी प्रभावना होती है। साधुराम जी के परिवार में धार्मिक संस्कार है, और अधिक मजबूत बनें, यहीं हमारी मंगलकामना है।

तेरापंथ सभा के अध्यक्ष श्री रामलाल जी जैन एवं तेयुप के अध्यक्ष सुमित जैन जी तपस्वी बहन नेहा जैन को सम्मानित करते हुए।

साधु राम जी का परिवार साध्वी श्री सोहनकुमारी जी (छापर) के सानिन्ध्य में।

तप अनुमोदना के इस मंगल कार्यक्रम में साध्वी श्री लावण्य श्री जी, साध्वी श्री सिद्धान्त श्री जी, सु श्री पूनम जैन, श्री रामलाल जी जैन, श्री रविन्द्र जी जैन, नवीन जैन ने अपने भावों की प्रस्तुति दी। इसके अतिरिक्त सुनाम की सभा, महिला मंडल और तेयुप की द्वारा तपस्वी बहन नेहा जैन को सम्मानित भी किया गया।
कार्यक्रम का कुशल संयोजन सुनाम की तेरापंथ युवक परिषद् के सहमंत्री हितेश जैन ने किया।

Yours Faithfully,
All TYP Members,
President:- Sumit Jain.
Secratery:- Ashish Jain.
Jt.Sec:- Hitesh Jain (90413-99764).

Date Of Sent:- 11-9-2011.

****